

करना; छाती से लगना- गले लगना; छाती से लगाना-गले लगाना, आलिंगन करना; छाती से लगा रखना- अपने पास से जाने न देना; छाती वज्र की होना- अत्यंत सहिष्णु हृदय 2. कलेजा, हृदय, मन, जी मुहा. छाती ठंडी होना- कामना का पूर्ण होना; छाती धड़कना- भय या आशंका से हृदय का कंपित होना; छाती भर आना- प्रेम या करुणा से गद्गद् होना 3. स्तन, कुच मुहा. छाती उभरना- युवावास्था के आरंभ होने पर स्त्रियों के स्तनों का बढ़ना 4. हिम्मत, साहस, दृढ़ता।

छात्र पुं. (तत्.) 1. विद्यार्थी, अंतवासी 2. शिष्य, चेला 3. मधुमक्खियों के छत्ते (छत्र) से निकला शहद।

छात्रवृत्ति स्त्री. (तत्.) अध्ययन के लिए विद्यार्थी को दी जाने वाली नियमित धनराशि, वजीफा।

छात्रावास पुं. (तत्.) जहाँ विद्यार्थी के रहने खाने का प्रबंध हो।

छात्रालय पुं. (तत्.) छात्रों के रहने का स्थान।

छाद पुं. (तत्.) भवन या चौपाल को ऊपर से ढका हुआ भाग, छप्पर 2. छत।

छादक वि. (तत्.) 1. ढकने वाला 2. खपरैल या छप्पर छाने का काम करने वाला 3. कपड़ा लत्ता देने वाला।

छादन पुं. (तत्.) 1. ढकने का काम 2. वह वस्तु जिससे छाया या ढका जाए, आवरण, आच्छादन 3. छिपाव, गोपन।

छादित वि. (तत्.) जिस पर आवरण पड़ा हो, छाया हुआ, आवृत।

छादिनी स्त्री. (तत्.) चमड़े का आवरण।

छादी वि. (तद्.) आच्छादन करने वाला, ढकने वाला।

छान स्त्री. (तद्.) 1. छप्पर, घास फूस की छाजन 2. पशु के पैर में बाँधी जाने वाली रस्सी।

छानना स.क्रि. (देश.) 1. तरल पदार्थ को महीन कपड़े या चलाना जैसी वस्तु से छानकर।

छानबीन स्त्री. (देश.) 1. पूर्ण अनुसंधान या पूरी जाँच पड़ताल 2. विवेचना।

छानवे वि. (देश.) छियानवे, नब्बे और छह को मिली संख्या, नब्बे से छह अधिक पुं. (तद्.) छानवे की संख्या या अंक, जिसके लिखने का प्रकार है- 96

छाना स.क्रि. (तद्.) 1. आच्छादित करना 2. धूप आदि से बचाव के लिए किसी स्थान के ऊपर से कोई वस्तु फैला देना जैसे- छप्पर छाना 3. बिछाना, फैलाना 4. शरण में लेना, रक्षा करना अ.क्रि. 1. फैलाना, पसरना, बिछाना, भर जाना जैसे- बादल छाना, हरियाली छाना 2. डेरा डाल लेना, वास करना, टिके रहना।

छानी स्त्री. (देश.) छप्पर, बसेरा।

छाप स्त्री. (देश.) 1. खुदे या उभरे हुए ठप्पे का चिह्न 2. असर, प्रभाव 3. मुहर का चिह्न, मुद्रा 4. शंख, चक्र गदा, पद्म आदि के चिह्न जिन्हें वैष्णव अपने अंगों पर गरम धातु से चिह्नित कराते हैं 4. विशिष्ट स्वरूप 5. लकड़ी का बोझ 6. बाँस की टोकरी।

छापना स.क्रि. (देश.) मुद्रित की जाने वाली सामग्री या पाठ आदि को पहले साँचे में बनाकर, गढ़कर या ढाल कर किसी अन्य सतह पर उसकी छाप लगाना 2. ठप्पे से निशान डालना, मुद्रित करना 3. टीका लगाना, चेचक का टीका लगाना।

छापा पुं. (देश.) 1. ऐसा साँचा जिस पर कोई रंग या स्याही आदि पोतकर किसी वस्तु पर उसकी अथवा उस पर खुदे चिह्नों का ठप्पा लगाया जाए 2. मुहर, मुद्रा 3. चिह्न 4. व्यापार-चिह्न मार्का (ट्रेड मार्क) 5. शरीर पर किसी ठप्पे से अंकित चिह्न या आकृति 6. मुद्रण यंत्र, प्रेस 7. प्रतिकृति 8. असावधान शत्रु पर धावा।

छापा खाना पुं. (देश.+फ़ा.) वह स्थान जहाँ पुस्तके आदि छापी जाती हैं, मुद्रणालय, प्रेस।

छापामार वि. (देश.) बेखबर शत्रु या अपराधी पर अचानक छापा मारने वाला।